स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २४ अंक ११७ वि.सं. २०८३ अगहन ०५ गते शनिच्चर थारु सम्वत (२६४९) [Saturday 21 November 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

सशक्त महिला समृद्ध नेपाल परियोजनाके समीक्षा

महिला आघे बह्ना अपनसे सुरुवाट कैनामे जोड

पहुरा समाचरदाता

धनगढी, ४ अगहन । महिला पुनर्स्थापना केन्द्र (ओरेक)से संचालन करल शसक्त महिला समृद्ध नेपाल परियोजनाके सरोकारवाला निकायसे शुकके रोज धनगढीमे समिक्षा तथा सिकाई अदानप्रदान कार्यक्रम सम्पन्न हुइल बा ।

जिल्ला समन्वय समिति कैलालीके प्रमुख टीकाकुमारी चौधरी भुलके प्रमुख आतिथ्यतामे हुइल कार्यक्रममे उहाँ विभेद ओ हिंसा अभिन अन्त्य हुई नैसेकल कहटी ओकर अन्त्यके लाग सुरुवाट आपनथेनसे सुरुवाट करेबेर पर्ना बटैली ।

पहिलेक तुलनामे महिलाहुक्रे अब्बे नेतृत्व तहमे पुगल मने निर्णयक तहमे पुग्ना बाँकी रहल कहटी महिलाहुक्रे आघे बह्रेक लाग अपनही सक्षम हुइना जरुरी रहल उहाँ बटैली ।

पितृसतात्मक सोच रहटसम महिलाहुक्रे आघे बह्रे नैसेक्ना कहटी महिलाहे आघे बह्राइक लाग सक्कु जानेक सहयोग रहेपर्ना मने महिला झन



जागरुक हुइना बटैली । उहाँ परियोजनासे महिलाहुकनहे आघे बह्ना हौसला प्रदान करल कहटी सदैव सहकार्य रना प्रतिवद्धता जनैली ।

सिलगढी नगरपालिकाके नगर उपप्रमुख कलावती महर साउँद महिलाहुकनहे आघे बह्रेक लाग ढेर अइना करल मने उहीहे पन्छाके आघे बह्रेपर्ना बटैली ।

कौनाफे महिलाहे आघे बह्रेक महीसे सुरुवाट करेपरठ कना शब्द विस्राई नैहुइना बटैली । अब्बे निर्वाचित महिलाहुकनके सख्या केल्ह पुगल मने निर्णय कैना ठाउँमे पुगे नैसेकल बटैली ।

महिला अभियन्ता कमला चौधरी लैङिक उत्तरदायी बजेट सक्कु जानेक साझा हो कहिके बुझके जाई पर्ना बटैली । परियोजनासंग दुई बरस जोरल कहटी यकर अभियानसे अपनेलगायत ढेर महिलाहुकनहे आघे बह्ना हौसाला प्रदान करल बटैली । परियोजनाके अभियानसे लैङिक उत्तरदायी बजेट निर्माण, नेतृत्व विकास, क्षमता अभिवृद्धि, योजना निर्माण प्रक्रियामे सक्कु क्षेत्रके समावेशी, आघे बह्रेबेर प्रमाण ओ सत्यतथ्यके खोजी लगायत ढेर बाट सिखल जानकारी डेली ।

लुमटीके प्रतिनिधि हर्कबहादुर ओली गैसस नेपाल सरकारसे प्रतिष्प्र्धा करे नैआइल बल्की सहयोगीके भुमिका निर्वाह करे आइल बटैलै । गैसस सिमित समयके अभियान संचालन करल मने मजा पक्षसे सक्कु जाने अङिगकार करके जाई पर्ना बटैलै ।

स्थानीय तहके दुसरा कार्यकाल ओरेना अन्तिम समय लागे लागल कहटी मजा कामहे दस्तावेजीकरण कैना ओ अइना जनप्रतिनिधि बुझाई पर्ना बटैलै ।

कार्यक्रममे खप्तडछान्न गाउँपालिकाके लक्ष्मी रावल, दुर्गाथली गाउँपालिकाके देवकी विष्टलगायत मन्तव्य राखल रहिट । कार्यक्रममे ओरेक कार्यकारी निर्देशक रेखा श्रेष्ठ यी परियोजना सुदूरपश्चिम, कर्णाली ओ मधेश प्रदेशके ३९ स्थानीय तहमे दुई बरस अभियान संचालन करल जानकारी डेली । अभियान संचालन मै ठेनसे सुरुवाट करटी समाज, वडा, पालिका तथा नेतृत्वकर्तासम पुगल बटैली । *(बाँकी ४ पेजमे)*

पर्यटकके रोजाइमे शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्ज

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, ४ अगहन । कञ्चनपुरके शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्ज आन्तरिक तथा बाह्य पर्यटकके आकर्षक गन्तव्यके रूपमे विकसित हुइ लागल बा ।

पर्यटकके लाग निकुञ्ज खुला करल छोट अवधिमे उल्लेख्य संख्यामे पर्यटक भ्रमण करे लागलपाछे शुक्लाफाँटा पर्यटकीय गन्तव्यके रूपमे विकसित हुइ लागल बा ।

शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जसे उपलब्ध कराइल तथ्याङ्क अनुसार कुँवार २८ से अगहन १ गतेसमके अवधिमे एक हजार ९५२ जाने पर्यटक निकुञ्जके भ्रमण करल बटै । भ्रमण करुइयामे नेपालीसँगे सार्क राष्ट्र तथा सार्क राष्ट्रबाहरके विदेशी पर्यटकसमेत रहल बटै ।

निकुञ्जके तथ्याङ्क अनुसार उक्त अवधिमे एक हजार ८६० जाने नेपाली पर्यटक भ्रमण करले बटै । ओस्टके सार्क राष्ट्रके ७४ जाने विदेशी पर्यटक भ्रमण करल बटै । सार्क राष्ट्रबाहेकके १८ जाने विदेशी पर्यटक फेन निकुञ्जके भ्रमण करल बटै । पर्यटकके लाग २५ जाने गाइड ओ सफारी गाडीसमेत उपलब्ध रहल बावै । निकुञ्ज घुमेबर मनमोहक प्राकृतिक दृश्यसे रमाइलो हुइना करल एक पर्यटक बटैलै ।

शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जके वरिष्ठ संरक्षण अधिकृत नुरेन्द्र अर्याल पर्यटकके लाग खुला करल छोट अवधिमे भ्रमण करुइयाके संख्या बह्रे लागल बटैलै । उहाँके उहाँके अनुसार पहुँच ओ विमानस्थलसे निकुञ्जसमके दुरीके कारण विदेशी पर्यटकके लाग यात्रा खर्च ढेर पर्ना हुइल ओरसे अपेक्षाकृत रूपमे बाह्य पर्यटकके संख्या बह्रे सेकल नैहो ।

भारतीय सीमावर्ती वनबासा नाकासे पर्यटक अइना कलेसे फेन सार्क राष्ट्रबाहेकके विदेशी पर्यटकहे आकर्षित कैना उद्देश्यसे अन्य निकुञ्जसँग समन्वय हुइटी रहल उहाँ बटैलै । सार्क राष्ट्रका पर्यटकके आगमन बह्राइक लाग नेचर गाइड, होटेल व्यवसायी, पर्यटन बोर्डलगायत सरोकारवालासँग चरणबद्ध रूपमे छलफल तथा अन्तर्क्रिया हुइटी रहल उहाँके कहाइ रहल बा । पर्यटकके लाग इ मजा सिजन रहल ओरसे बर्खा नैलागटसम खुला रहना बा ।

३०५ वर्ग किलोमिटर क्षेत्रफलमे फैलल् शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्ज जैविक विविधताके दृष्टिसे महत्वपूर्ण संरक्षित क्षेत्र हो। यहाँ पाटेबाघ, चितुवा, हात्ती, एकसिङे गैँडा, सुन गोहोरो, राजधनेश, सारसलगायत दुर्लभ वन्यजन्तु तथा चराचुरुङ्गी पाजाइठ् । नेपालमे पाजैना मृगके टमान प्रजातिमध्ये बाह्रसिङ्गा, चित्तल, लगुना, रतुवा ओ जरायो फेन यहाँके प्रमुख आकर्षण हुइट ।

निकुञ्जके मुख्य आकर्षणके रूपमे रहल शुक्लाफाँटा घाँसे मैदान नेपालके बरबार प्राकृतिक घाँसे मैदानमध्ये एक हो । उक्त मैदानमे दुई हजार एक सयसे ढेर बाह्रसिंगा रहल बटै । विश्वमे ढेर संख्यामे बाह्रसिंगाके झुन्ड अक्के स्थानमे डेखे सेक्ना क्षेत्रके रूपमे शुक्लाफाँटाके विशेष पहिचान रहल बा । *(बाँकी ३ पेजमे)*

दलबिच नैजुटल सहमति सभाके बैठक अन्योल

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ४ अगहन । बजेट विवादमे अल्झल सुदूरपश्चिम प्रदेशमे दलबिच सहमति जुटे नैसेकके प्रदेश सभाके बैठक अन्योल बनल बा ।

सत्तापक्षभिटरे विवाद बह्नाके साथे प्रतिपक्ष सरकारके विरोधमे उटरल पाछे प्रदेश सभाके बैठक अन्योल बनल हो । बजेटसम्बन्धी विवाद निरूपणके लाग गत कात्तिक २१ गते बोलाइल प्रदेश सभाके बैठकमे प्रतिपक्ष दल नेपाली कांग्रेस ओ राष्ट्रिय प्रजातन्त्र पार्टीसे विरोध जनाइल रहिट ।

प्रतिपक्षसे नाराबाजी कैटी सरकारके राजीनामा मागलपाछे आधा घण्टाके लाग स्थगित करल बैठक दुई अँठ्वार पुगे लागलसम सञ्चालन हुइ सेकल नैहो । चालु आर्थिक बरस २०८३/८४ के लाग प्रदेश सरकारसे डोसरचो लानल बजेट विवादित बनलपाछे सरकार ओ सदन डुनु सुस्त बनल बावै । बजेटके विषयमे उत्पन्न विवाद नैमिलके प्रदेश सभाके बैठक फेन अन्योल बन्टी रहल सभामुख भीमबहादुर भण्डारी बटैलै । उहाँ बजेट विवाद छानबिनके लाग संसदीय अध्ययन समिति बनके अध्ययनके काम हुइ नैसेकल उल्लेख करलै । सभामुख कहलै, "बजेट अध्ययन कैके ओम्ने रहल त्रुटि पत्ता लगैना ओ सच्याइक लाग संसदीय अध्ययन समिति बनैना बात हुइल हो । मने बाहर संसदीय छानबिन समिति गठन कैना हल्ला चलल् । छानबिन समिति नैहो कि अध्ययन समिति बनैना कहल हो । समितिके काम हुइ सेकल नैहो ।"

समितिसे कात्तिक २० गतेसम प्रतिवेदन पेस कैना ओ बजेट उपर डेखल विवाद निरूपण कैना सरकारसे अगहन १ गतेसम पूरक बजेट लन्ना कहिके प्रदेश सभाहे जानकारी कराइल रहे । यद्यपि आब का कैना कना विषयमे प्रदेश सभाके आगामी बैठकसे नै टुङ्गो लगैना सभामुख भण्डारीके कहाइ रहल बा । उहाँ कहलै, "आब सभाके आगामी बैठकके टुङ्गो अनुसार नै सक्कु काम आघे बह्री ।"

सभामुख भण्डारीके अनुसार सभाके आगामी बैठक अगहन ५ गते बैठे सेक्ना सम्भावना रहल बा । प्रतिपक्षी दल विरोधमे उटरल ओ नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) के फेन अपने पार्टीके कार्यक्रम रहल ओरसे फेन बिचमे बैठक बैठे नैसेकल उहाँके कहाइ रहल बा । चालु आवके प्रथम चौमासिक बिटलसम प्रदेश सभाके कार्यप्रगति सन्तोषजनक डेखल नैहो । इ आवमे छ चोसम किल सभाके बैठक बैठल बा ।



स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

बर्दियामे हेराइल खरमजुर



पहुरा समाचारदाता

बर्दिया, ४ अगहन । अतिसंकटापन्न पन्छीके सूचीमे रहल खरमजुर बर्दियामे डेखाइ छोरले बटैं । बर्दिया राष्ट्रिय निकुञ्जमे सन् २०१० यहोर खरमजुर नैडेखाइल हुइटैं ।

छोट छोट खर तथा घाँसमे रना सुन्दर पन्छी खरमजुर बर्दियामे देखाइ छोरल १६ वर्ष पुगल बा । निकुञ्जके अनुसार पहिले खौराहा, बघौरा ओ लम्कौली फाँटमे डेखैना खरमजुर अब्बे डेखाइ छोरल हो ।

नेपाल पन्छीविद् संघके सदस्य रामबहादुर शाहीके अनुसार बर्दिया राष्ट्रिय निकुञ्जमे सन् २०१० मे अन्तिम चो दुई ठो भाले खरमजुर डेखाइल रहे । उयहोर बर्दियामे खरमजुर नैडेखाइल उहाँ बटैलैं । उहाँ कलैं, "प्रकृति पथप्रदर्शकके रूपमे प्रायः हरेक दिन निकुञ्ज घुम्के समेत खरमजुर देखाइल नैहो । बर्दियासे खरमजुर लोप हुइलजस्टे लागठ, यकर अध्ययन करना जरुरी रहल बा ।"

भारी जनावर बाघ, हात्ती ओ गैंडाके संरक्षणके लाग सबजे ध्यान डेना मने छोट पन्छीके संरक्षणमे कोइ फेन ध्यान नैडेके खरमजुर लोप हुइल उहाँ बटैलैं । उहाँ कलैं, "सरकार कार्ययोजना बनाके लागू करलेसे फेन ओत्रे प्रभावकारी डेखाइल नैहो । पाछेक समयमे बर्दियामे टे यकर खोजबिन हुइल नैहो ।"

घाँसेमैदानमे हुइना आगलागी, चरिचरण ओ घाँसेमैदानमे हुइल परिवर्तनके कारण खरमजुर हराइल उहाँक दाबी बा । यकर संरक्षणके लाग सचेतना फैलाइ नैसेक्ना उहाँ बटैलैं ।

नेपाल पन्छीविद् संघके कार्यकारी निर्देशक लक्ष्मण पौडेलसे नेपालमे एक सयसे कम संख्यामे खरमजुर रहल जानकारी करैलैं । सबसे ढेर कोशीटप्पु वन्यजन्तु आरक्षमे ३० ठोके संख्यामे फेला परल बटैटि उहाँ बर्दियामे सन् २०१० यहोर कोइ फेन खरमजुर फेला नैपरल बटैलैं ।

उहाँ घाँसेमैदानमे हुइना आगलागी ओ घाँसेमैदानमे आइल परिवर्तनके कारण खरमजुर लोप हुइल दाबी करलैं । वर्षात्के समयमे किसानके खेतबारीमे खरमजुर चरे नैना हुइल ओरसे विषादीके प्रयोगसे फेन खरमजुरमे असर परल हुइ सेक्ना उहाँक दाबी बा ।

प्रजननके समयमे घाँसेमैदानमे आगलागी होके खरमजुरलगायतके पन्छीमे असर परल कटि सरकार घाँसेमैदान व्यवस्थापन निर्देशिका लागू करले बा ।

खरमजुर संरक्षणके लाग योजना बनाके लागू करना बर्दिया राष्ट्रिय निकुञ्जके प्रमुख मनोज शाह बटैलैं । सुरुमे खरमजुरके वास्तविक अवस्था अध्ययन कैके योजना बनाके लागू करना उहाँ जानकारी करैलैं ।

खरमजुर संरक्षणके लाग सरकार पहिलचो सन् २०१६ से २०२० समके लाग खरमजुर संरक्षण कार्ययोजना लागू करले रहे । हाल सन् २०२४ मे पुनः १० वर्षे कार्ययोजना लागू करल बा । कार्ययोजनामे प्रजनन केन्द्र स्थापना ओ बासस्थान विस्तारहे विशेष जोड डेहल बा । कार्ययोजनामे घाँसेमैदान व्यवस्थापन, समुदायमे आधारित संरक्षण ओ वैज्ञानिक अनुसन्धानमे जोड डेहल बा ।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।
नोटः साथै दूरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।
धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सञ्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेक्ठि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *-सम्पादक*

प्रमके भारत भ्रमण ओ जनअपेक्षा

विचार
युवनाथ लम्साल

नेपाल ओ भारत दुनु देशके जनताके वृहत्तर हितहे ध्यानमे ढैके द्विपक्षीय सम्बन्धहे पुनर्संयोजन कैके नयाँ उचाइमे पुगैना गम्भीर डेखाइल बा । विशेष कैके नेपालमे वालेन्द्र शाहके नेतृत्वमे नयाँ सरकार गठनपाछे यी प्रक्रियासे थप गति लेले बा । भारत सरकार फेन नेपालके नयाँ सरकार ओ सत्तारूढ राष्ट्रिय स्वतन्त्र पार्टी (रास्वपा) सँगके सम्बन्ध तथा सहकार्य विस्तार करना ढेर उत्साहित डेखाइठ ।

यी पृष्ठभूमिमे प्रधानमन्त्री वालेन्द्र शाह भारतीय समकक्षी नरेन्द्र मोदीके निमन्त्रणामे भारतके औपचारिक भ्रमणमे जाइटैं । २०८२ चैतमे प्रधानमन्त्रीके जिम्मेवारी सम्हारलपाछे उहाँके यी दोसर विदेश भ्रमण तथा पहिल द्विपक्षीय भ्रमण हो । यीआघे उहाँ संयुक्त राष्ट्रसंघके ८१ औं महासभाहे सम्बोधन करना गैल असोजमे संयुक्त राज्य अमेरिकाके औपचारिक भ्रमण करले रहैं ।

प्रधानमन्त्रीके आसन्न भारत भ्रमणहे टमान कोणसे चासो, जिज्ञासा ओ आशासाथ हेरल बा । परराष्ट्र मामिलाके जानकारसे आमनागरिकसममे यी भ्रमणसे का उपलब्धि हासिल करि, कौन कौन विषय प्राथमिकता पाइ ओ नयाँ दिल्लीमे हुइना उच्चस्तरीय छलफलमे का कैसिन मुद्दा उठाजाइ कना जिज्ञासा बा । अइसिन जिज्ञासा रहना फेन स्वाभाविके हो । प्रधानमन्त्री शाहके यी भ्रमणहे उच्च अपेक्षासँगे कुछ सावधानीपूर्वक फेन हेरल बा । यीबारे प्रधानमन्त्री भ्रमणके क्रममे विशेष सतर्कता ओ सावधानी अपनैना आवश्यक बा । प्रचलित कहाइ बा, "मित्र रोजे सेक्जाइठ, छिमेकी रोजे नैसेक्जाइठ ।" टबेमारे छिमेकीसँगके सम्बन्धहे परिस्थिति अनुरूप समायोजन करटि सुमधुर बनाइ परठ । छिमेकी एकडम लग्गे रठैं ओ शान्ति तथा समृद्धिके लाग ऊसँग असल एवं सहयोगात्मक सम्बन्ध कायम करना अपरिहार्य रहठ । छिमेकी मुलुकबिच प्रायः टमान समस्या ओ मतभिन्नता रहठ मने सँगसँगे सहकार्य ओ लाभ आदानप्रदानके अवसर फेन उपलब्ध रहठ । साझा हितके अवसरके पहिचान ओ उपयोग करे परठ कलेसे समस्याहे कूटनीतिक कौशल ओ सुझबुझके माध्यमसे समाधान करे परठ ।

नेपाल ओ भारत भूगोल, इतिहास, संस्कृति, सामाजिक मूल्यमान्यता, सभ्यता, नदी प्रणाली तथा आर्थिक अन्तरसम्बन्धसे जोरल निकटतम छिमेकी हो । यी दुई देशबिच एक हजार आठ सय किलोमिटरसे लम्मा खुला सीमा बा ओ सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक तथा ऐतिहासिक समानताके अनेक पक्ष बा । टमान क्षेत्रमे यी दुई मुलुकबिच रहल परस्पर निर्भरता ओ बहुआयामिक सम्बन्ध विश्वके अन्य दुई देशबिच बिरले पाजाइठ । अन्तर्राष्ट्रिय मञ्चमे फेन नेपाल ओ भारतके दृष्टिकोण अधिकांश विषयमे समान बा । तथापि कुछ विषयमे दुनु देशके धारणा तथा अडानमे भिन्नता फेन बा ।

कहिजाइठ, मुलुक भूगोलके बन्दी रहठ । अर्थात् भूगोल धेर हदसम दुई देशबिचके सम्बन्धके प्रकृति ओ दिशा निर्धारण करठ । नेपाल तीनओर पूर्व, पश्चिम ओ दक्षिणमे भारत तथा उत्तरमे चीनसे घेरल भूपरिवेष्टित मुलुक हो मने व्यावहारिक दृष्टिसे हेरलेसे नेपाल भूपरिवेष्टित किल नैहोके भारतमे ढेर निर्भर रहेको मुलुकके रूपमे फेन डेखाइठ । यी भौगोलिक यथार्थसे नेपालहे भारतसँगके सम्बन्धहे विशेष प्राथमिकतासाथ व्यवस्थापन करना ओ मैत्रीपूर्ण एवं सहयोगात्मक सम्बन्ध कायम करना बाध्य बनाइल बा ।

निकट छिमेकी रहल कारण नेपाल ओ भारतबिच समस्या ओ सम्भावना दुनु बा । टबेमारे पारस्परिक लाभ सुनिश्चित करटि टमान क्षेत्र ओ आयाममे सम्बन्ध व्यवस्थापन, सहकार्य ओ साझेदारी करना यी दुनु मुलुकके साझा आवश्यकता ओ बाध्यता हो । दुनु देशके नेता यी वास्तविकताप्रति जानकार बटैं । यद्यपि कबुकाल राजनीतिक स्वार्थ ओ आन्तरिक राजनीतिके प्रभावसे दुई निकटतम छिमेकीबिचके सम्बन्धहे अनावश्यक रूपमे जटिल बनैना करल बा । नेपाल ऋो भारतके जनताके वृहत्तर हित तथा साझा समृद्धिके लाग यी दुई मुलुकबिच और घनिष्ठ सहकार्य अपरिहार्य बा । यकर लाग राजनीतिक नेतृत्व, सरकारी अधिकारी, राजनीतिक दल, नागरिक समाज, व्यवसायी तथा आमजनतासहित सब तहमे संवाद, सम्पर्क ओ अन्तक्रिया विस्तार करना आवश्यक बा ।

> विशाल छिमेकी मुलुकबिच अवस्थित छोट भूपरिवेष्टित राष्ट्रके रूपमे नेपाल अपन राष्ट्रिय हित ओ सार्वभौमिकताप्रति ढेर संवेदनशीलता देखैना स्वाभाविक हो । भारी छिमेकी यी यथार्थहे बुझे परठ । नेपाली जनताके मनमे रहल आशंका ओ संशय हटैना भारत फेन उ अनुरूप व्यवहार करना आवश्यक बा । ओस्टेक नेपाल फेन भारतके संवेदनशीलता ओ मूलभूत सुरक्षा चासोहे बुझे परठ ओ नेपालके राष्ट्रिय हितसँग नैबाझ्ना हदसम उहिनहे सम्बोधन करे परठ । दुई देशबिचके असल छिमेकी सम्बन्ध पारस्परिक हित, विश्वास ओ संवेदनशीलताके सम्मानमे आधारित हुइ परठ । भारत 'छिमेकी पहिल' नीतिमार्फत नेपाल जैसिन छिमेकी मुलुकसँगके सम्बन्धहे प्राथमिकता डेना घोषणा करलेसे फेन ओकर प्रभावकारी कार्यान्वयन अभिन अपेक्षित स्तरमे हुइ सेकल नैहो । यकर एक कारण भारतके कर्मचारीतन्त्रमे विद्यमान नेहरू-गान्धी युगके परम्परागत मनोविज्ञान ओ कार्यशैली हुइ सेकि । विशेष कैके नेपाल जैसिन छोट छिमेकीसँगके सम्बन्ध सञ्चालन करेबेर मोदी नेतृत्वके भारतसे परम्परागत ओ संकीर्ण मानसिकतासे बाहिर निकरना आवश्यक बा । बदलटि क्षेत्रीय तथा विश्व राजनीतिक परिवेशमे छिमेकीसँगके सम्बन्ध पुरान शक्तिकेन्द्रित दृष्टिकोणसे नैहोके समानता, पारस्परिक सम्मान ओ साझा हितके आधारमे आघे बढ्ाइ परठ ।

भारत अब्बे आर्थिक तथा सामरिक कारणसे महत्वपूर्ण शक्तिके रूपमे उदय हुइटि आइल बा । विश्व बैंकके अनुसार सन् २०११ से २०२३ सममे भारत ५० करोडसे ढेर मनैन्हे गरिबीसे उप्पर उकस्ले बा कलेसे चरम गरिबीके दर २७ प्रतिशतसे घटाके २.६ प्रतिशतमे पुगैले बा । भारतके आर्थिक रूपान्तरण ओ विकासके अनुभवसे नेपाल सिख्ना ओ लाभ लेहे सेके परल ओ यी नेपालके लाग भारी अवसर फेन हो । साथे अपन सबसे लग्गेक छिमेकी विश्वके विषयमे मतभिन्नता ओ विवाद उत्पन्न हुइना सम्भावना रहठ । नेपाल-भारतबिचके समस्यामे सीमासम्बन्धी विवाद, व्यापार, जलस्रोत ओ उहिनसे प्राप्त हुइना लाभके बाँडफाँट, सीमापार अपराध, हवाईमार्ग, सुरक्षा चासो तथा कुछ पुरान सन्धिसम्झौताके प्रावधानलगायतके विषय बा । इतिहासके टमान कालखण्डमे यी विषय दुई निकटतम छिमेकीबिचके सम्बन्धमे उतारचढाव ओ असहजता उत्पन्न करले फेन बा । तथापि दुनु मुलुक अइसिन विषयहे व्यवस्थापन करटि सम्बन्धहे आगे बढ्ैना सफल हुइल बा । कुछ मुद्दामे मतभिन्नता रहलेसे फेन निकट छिमेकीके रूपमे सम्बन्धहे सुमधुर ओ सन्तुलित ढरनाके विकल्प दुनुसँग नैहो ।

टमान समयमे नेपाल भारतसे लगाइल आर्थिक नाकाबन्दीके सामना करे परल तित यथार्थ फेन हमारसामु बा । यिहिनसे टमान पुस्ताके नेपाली जनमानसमे भारतप्रति एकमेरिक संशय ओ अविश्वास पैदा करले बा । भारतके कुछ अभिजात वर्गके मनै यिहिनहे भारतविरोधी भाष्यके आर्थिक शक्ति हो नेपालके लाग गौरवके विषय फेन हो । टबेमारे दुई देशबिचके सम्बन्धहे थप सुमधुर, विश्वासपूर्ण ओ सहयोगात्मक बनैना आवश्यक बा । भारत फेन नेपालसँगके सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध ऋो घनिष्ठ सहकार्य अपन दीर्घकालीन हितमे रहल तथ्य आत्मसात् करे परल ।

निकटता ओ घनिष्ठताके साथे नेपाल ओ भारतबिच कुछ जटिल तथा संवेदनशील मुद्दा बा, उहिनसे बेलाबखत द्विपक्षीय सम्बन्धमे असहजता ओ तनाव उत्पन्न करना करल बा । सीमा जोरल ओ बहुआयामिक सम्बन्ध रहल मुलुकबिच विवाद डेखैना अस्वाभाविक नाइहो । सम्बन्ध ओ संलग्नता जत्रा व्यापक रहठ, ओत्रे विविध रूपमे व्याख्या करना करल बटैं । नेपालमे फेन एक छोट तप्कासे अपन क्षुद्र राजनीतिक स्वार्थके लाग भारतहे 'क्षेत्रीय प्रभुत्ववादी' के रूपमे चित्रण करना प्रयास करठ । ओस्टेक भारतके एक तप्का नेपाल 'चीन कार्ड' खेल्ना करल आरोप फेन लगाइठ मने यी धारणा समग्र नेपाली ओ भारतीय जनमतके प्रतिनिधि विचार भर पटक्के नाइहो । वास्तवमे अधिकांश नेपालीके भारतप्रति मैत्रीपूर्ण ओ सकारात्मक दृष्टिकोण बा । उहाँहुके भारतसँग और घनिष्ठ, विश्वासपूर्ण ओ सहयोगात्मक सम्बन्ध चाहठ । टबेमारे भारतीय जनसंख्याके भारी हिस्सामे फेन नेपालप्रति आत्मीयता ओ सकारात्मक भावना बा ।

ओस्टेक नेपालके सम्बन्धमे भारतके फेन चासो ओ संवेदनशीलता बा, उहिनहे नेपाल सम्बोधन करे परल । नेपाल भारतविरुद्ध कौनो फेन मेरिक रणनीतिक कार्ड खेले नैपरठ ओ खेल्ले नैहो कना भारत जैसिन निकट छिमेकी ओ महत्वपूर्ण विकास साझेदार देशहे विश्वास दिलाइ परठ । टबेमारे नेपाल ओ भारतबिचके सब समस्या तथा विवादहे एकओरेक चासो ओ संवेदनशीलताके सम्मान करटि खुला, स्पष्ट ओ मैत्रीपूर्ण संवादमार्फत समाधान करे परठ । समस्याहे थाती ढैके प्रवृत्तिसे दीर्घकालीन समाधान नैडेहठ । कौनो खास विषयमे रहिके मतभिन्नता ओ विवादके कारण समग्र सम्बन्ध तथा सहकार्यहे अवरुद्ध परना अवस्था सिर्जना हुइ डेहे नैपरठ ।

नेपाल ओ भारतबिच सहकार्यके सम्भावना ओ क्षेत्र व्यापक बा । दुनु मुलुकसे पारस्परिक हितके सम्भावित क्षेत्रके गम्भीरतापूर्वक पहिचान कैके जनताके साझा हितके लाग संयुक्त प्रयास करे परठ । प्रधानमन्त्री वालेन्द्र शाह नेपाली जनताके व्यापक सद्भाव ओ अपेक्षासाथ भारत भ्रमणमे जाइटैं । प्रधानमन्त्री शाह फेन नेपाल ओ भारतबिचके सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध तथा आपसी सहकार्यहे थप सुदृढ बनैटि नयाँ उचाइमे पुगाइ चाहठैं । यकर लाग प्रधानमन्त्रीके भ्रमणसे आवश्यक राजनीतिक आधार ओ अवसर प्रदान करले बा ।

नरेन्द्र मोदी भारतके प्रधानमन्त्री बनलपाछे 'छिमेकी पहिल' नीतिहे प्राथमिकता डेहल बा । सन् २०१४ मे नेपालके भ्रमणके क्रममे भारतीय प्रधानमन्त्री मोदी नेपाल-भारतबिचके सम्पर्क सञ्जाल विस्तार ओ पूर्वाधार विकासहे लक्ष्य करटि 'हिट' (राजमार्ग, सूचना मार्ग ओ प्रसारण मार्ग) के अवधारणा आघे सरले रहैं । उ अवधारणा अभिन अपेक्षित रूपमे कार्यान्वयनमे आइ भर सेकल नैहो मने अब्बे परिस्थिति बदलल बा । दुई देशबिच सहकार्य ओ समझदारीके नयाँ वातावरण विकसित हुइटि बा । प्रधानमन्त्री शाहके भ्रमणसे यी सकारात्मक वातावरणहे थप सुदृढ ओ गतिशील बनैना अपेक्षा करल बा ।

प्रधानमन्त्री शाहके भ्रमण दुई निकटतम छिमेकीबिचके सम्बन्ध ओ सहकार्यहे पुनः सन्तुलित करटि नयाँ उचाइमे पुगैना अवसरके रूपमे आइल बा मने यकर सफलता पर्याप्त तयारी, स्पष्ट कार्यसूची ओ प्रभावकारी गृहकार्यमे निर्भर

संधियारको नाममा जारी ७ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर २ स्थित कित्ता नं. ९८६ क्षेत्रफल ५२५ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री विरमाया तामाङले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले ७ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः राजबहादुर तामाङ — पश्चिमः सडक
उत्तरः रोशी हमाल, कल्पना भण्डारी, हरिनारायण श्रेष्ठ — दक्षिणः सडक

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ३ स्थित कित्ता नं. १६४३, १६४६ क्षेत्रफल १६९.३२, ४२.२७ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री लक्ष्मीदेवी मालीले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः सडक — पश्चिमः विन्देश्वरी कुमारी सिंह, राजमती जोशी
उत्तरः प्रेमकुमारी गोपाल — दक्षिणः पूर्णिमा भट्ट जोशी

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

साहित्यिक पूलरिया

गजल

✍ लल्लिन क्यानभास

यी ठन्डी साह अक्ले काट नै सेकम ।
तुहिन मै और जहिनसे बाट नै सेकम ॥

तूँ म्वार दिल भित्र हे बैठल मनै जो हो,
बरा स्वरले तुहिन मै डाट नै सेकम ॥

बनाके लक्ष्य एक्ठो मै तूँ न्यागल हो,
तुहिन जो छोर्क डग्री फाट नै सेकम ॥

हो मै नै तूँ हो, तूँ नै मै हो जन्बो त,
तुहिन कैके मन आपन ढाट नै सेकम ॥

तूँ म्वार हो मार्ग, हो तूँ म्वार खुसी सारा,
बिना तूँ जिनगी यी मै आट नै सेकम ॥

तुलसीपुर, दाङ

गजल

✍ सागर कुशमी 'संगत'

पुग्ना ठाउँ जैना समय लागठ ।
ढेर पैसा कमैना समय लागठ ।

जे बुझके फेन बुझ पचाइठ टे,
ओइनहे बुझैना समय लागठ ।

सुख पाइक लाग मेहनत करी,
जिन्गी कटैना समय लागठ ।

कम लगानीमे कम आम्दानीमे,
सिस महल बनैना समय लागठ ।

अपन भासा पर्हे नैजन्ठुँ कठैँ टे,
उ मनैन सम्झैना समय लागठ ।

डख्खिन टँहीं, कैलाली

गजल

✍ अंकर अन्जान सहयात्री

कैसिक चलैना हो घरडुवार चिम्टा लागठ ।
कुछ नाइ होके घरेम बारबार चिम्टा लागठ ।

राज्यके डेहल फाटल क्रिपाल चिँठल डरिसे,
जिन्गी कैसिक कटि सरकार चिम्टा लागठ ।

सालोसे मोरिक आँङ्ग बेढब झर्टी जाइटा,
कबसम हुइ इ डेहँक उपचार चिम्टा लागठ ।

राट डिन सानसक्कार काम कर्लेसेफँ यहाँ,
गोझुम एकनाइ रहठ हजार चिम्टा लागठ ।

डुर कमाइ गैल छावन्के रेडु टिबी इन्टरनेटमे,
हरडम सुन्ठुँ मै मरल समाचार चिम्टा लागठ ।

जानकी गा.पा.-८, कैलाली

गजल

✍ सन्देश दहित

संग निछ्वारम कहुइया खै काजन हेरैटि चलगैल ।
खोज्टी रनु निमिच्छाइटसम झन हेरैटि चलगैल ।

माने भिर्लो बिडेसी ढरम पुजा पुज्ना छ्वार डेलो,
टब ट घरक डिउह्वार्क डेबिडेउटन हेरैटि चलगैल ।

म्वाँर पैन्टरके गोझ्यम डान्चे भाँगा का परल रह,
रुप्या पैंसासे ट ढ्यार म्वाँर आपन हेरैटी चलगैल ।

आपन ढ्यार छोर्क आनक ढ्यार पकर्लक कारण,
अप्ने गिटबाँस संस्कृटिक अखोर्यन हेरैटी चलगैल ।

अखोर्या हेराइल हेरागैल अखोर्यक अँट्वा फेन,
अख्वारी निकर्क पुरन्याँ चिजबरन हेरैटी चलगैल ।

कैलाली

साप्ताहिक बाल स्तम्भ



जनोमती राना, कक्षा : ५
आरबी एकेडेमी, धनगढी



दिपिका राना, कक्षा : ५
आरबी एकेडेमी, धनगढी



मोनिका राना, कक्षा : ६
आरबी एकेडेमी, धनगढी



आस्मा राना, कक्षा : ६
आरबी एकेडेमी, धनगढी

पर्यटकके रोजाइमे...

ओस्टके ऐतिहासिक तथा पर्यटकीय महत्व बोकल रानीताल, सिंहपाल बाबा मन्दिर, शिलालेख क्षेत्र ओ हिरापुर फाँट फेन यहाँके प्रमुख आकर्षण हो । निकुञ्ज तथा आसपासके क्षेत्रमे महाकाली लडिया, बाहुनीखोला, चौधर नदी, राधा नदी, स्याली नदीलगायत जलाधार क्षेत्र तथा सोलगौडी, सिकारी, पढाउँ, तारा, बाबा, लालपानी, कुमारी, तिनकुने, लामीताल, बाघपोखरी ओ सुकेपोखरीलगायत ताल तथा सिमसार क्षेत्र रहल बावै ।

जैविक विविधतासँग प्राकृतिक सौन्दर्य ओ सांस्कृतिक सम्पदासे समेत समृद्ध शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जमे पर्यटन विकासके ढेर सम्भावना रहल बा । बर्दिया ओ चितवन राष्ट्रिय निकुञ्जसँग जैविक विविधता तथा पर्यावरणीय महत्वके दृष्टिसे तुलना करे सेक्लेसे फेन शुक्लाफाँटामे पर्यटकके आगमन भर तुलनात्मक रूपमे कम रहल बा । विशेष कैके महेन्द्रनगरस्थित मझगाउँ विमानस्थल सञ्चालनमे आइलपाछे पर्यटकहे कञ्चनपुर पुग्ना सहज हुइना ओ निकुञ्जमे आन्तरिक तथा बाह्य पर्यटकके संख्या थप बह्ना अपेक्षा करल बा ।

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ९ स्थित कित्ता नं. ६० क्षेत्रफल १६९.३२ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री राधादेवी ढोलीले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः भागरती बम भट्ट — पश्चिमः सडक
उत्तरः मनिषा विस्ट — दक्षिणः शारदा बोगटी

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

शान्ति सम्झौताके २० वर्षः संक्रमणकालीन न्याय अधुरे रहल कहटी आयोगके चिन्ता

ललितपुर, ४ अगहन । विस्तृत शान्ति सम्झौता हुइल २० वर्ष पुगे लग्लेसेफे सङ्क्रमणकालीन न्यायसे निष्कर्ष पाई नैसेकल कहटी राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोगसे गम्भीर चिन्ता व्यक्त करले बा ।

शुक्रके जारी प्रेस विज्ञप्तिमे आयोगसे शान्ति सम्झौताके अन्य कतिपय विषय सम्पन्न हुइलेसेफे द्वन्द्वकालीन गम्भीर मानव अधिकार उल्लंघनक घटनाके छानबिन, दोषीहे कारबाही ओ पीडितहे न्याय प्रदान कैना कार्यमे आशातीत प्रगति हुई नैसेकल उल्लेख करले बा ।

आयोगके सहसचिव एवं प्रवक्ता डा. टीकाराम पोखरेलसे जारी विज्ञप्तिमे शान्ति सम्झौताके दफा ५.२.५ बमोजिम विगतमे तीन चो आयोग गठन हुइलेसेफे काम पूरा हुई नैसेकल जनैले बा । हाल बेपत्ता पारल व्यक्तिके छानबिन आयोग ओ सत्य निरुपण तथा मेलमिलाप आयोग पदाधिकारीविहीन अवस्थामे बटै ।

कानुनमे आवश्यक संशोधन हुसेक्लेसेफे नयाँ सरकारसे आयोग गठनहे प्राथमिकता नैडेके वर्षौंसे न्यायके पर्खाइमे रहल पीडितहुकनके आशा निराशामे परिणत हुइल आयोगके ठहर बा ।

सङ्क्रमणकालीन न्याय प्रक्रियाहे विश्वसनीय ओ प्रभावकारी बनैना अब गठन हुइना संयन्त्रहे पर्याप्त जनशक्ति तथा भौतिक स्रोतसाधन उपलब्ध करैनाफे आयोगसे सरकारके ध्यानाकर्षण करैले बा ।

पीडितहुकनके अर्थपूर्ण सहभागितामे स्वतन्त्र ओ विश्वसनीय आयोग गठन करके सत्य जाने पैना अधिकार, परिपूरण तथा पीडित ओ साक्षीके संरक्षण सुनिश्चित कैना आयोगसे आग्रह करले बा । साथे, दण्डहीनताके अन्त्य कैना सरकार ओ सम्बन्धित सक्कु पक्षहे आह्वान करल बा ।

सशस्त्र द्वन्द्वके औपचारिक अन्त्यके लाग २०६३ अगहन ५ गते नेपाल सरकार ओ तत्कालीन नेकपा (माओवादी) बीच विस्तृत शान्ति सम्झौता हुइल रहे ।

प्रमके भारत...

रहि । भ्रमणके प्राथमिक उद्देश्य दुई सरकारबिच विश्वासके वातावरण निर्माण करना तथा एकऔरेक धारणा, चासो ओ अडानहे स्पष्ट रूपमे बुझ्ना हुइ परठ । लम्मा समयसे थाती रहल सब समस्या एक भ्रमणसे समाधान हुइना सम्भव नैहो । यी भ्रमणसे सम्बन्धमे नयाँ दिशा ओ गति प्रदान करटि बाँकी मुद्दाहे प्राथमिकताके आधारमे क्रमिक रूपमे समाधान करना मार्ग प्रशस्त करे सेकि ।

विशाल छिमेकी मुलुकबिच अवस्थित छोट भूपरिवेष्टित राष्ट्रके रूपमे नेपाल अपन राष्ट्रिय हित ओ सार्वभौमिकताप्रति ढेर संवेदनशीलता देखैना स्वाभाविक हो । भारी छिमेकी यी यथार्थहे बुझे परठ । नेपाली जनताके मनमे रहल आशंका ओ संशय हटैना भारत फेन उ अनुरूप व्यवहार करना आवश्यक बा । ओस्टेक नेपाल फेन भारतके संवेदनशीलता ओ मूलभूत सुरक्षा चासोहे बुझे परठ ओ नेपालके राष्ट्रिय हितसँग नैबाझ्ना हदसम उहिनहे सम्बोधन करे परठ । दुई देशबिचके असल छिमेकी सम्बन्ध पारस्परिक हित, विश्वास ओ संवेदनशीलताके सम्मानमे आधारित हुइ परठ ।

भारत 'छिमेकी पहिल' नीतिमार्फत नेपाल जैसिन छिमेकी मुलुकसँगके सम्बन्धहे प्राथमिकता डेना घोषणा करलेसे फेन ओकर प्रभावकारी कार्यान्वयन अभिन अपेक्षित स्तरमे हुइ सेकल नैहो । यकर एक कारण भारतके कर्मचारीतन्त्रमे विद्यमान नेहरू–गान्धी युगके परम्परागत मनोविज्ञान ओ कार्यशैली हुइ सेकि । विशेष कैके नेपाल जैसिन छोट छिमेकीसँगके सम्बन्ध सञ्चालन करेबेर मोदी नेतृत्वके भारतसे परम्परागत ओ संकीर्ण मानसिकतासे बाहिर निकरना आवश्यक बा । बदलटि क्षेत्रीय तथा विश्व राजनीतिक परिवेशमे छिमेकीसँगके सम्बन्ध पुरान शक्तिकेन्द्रित दृष्टिकोणसे नैहोके समानता, पारस्परिक सम्मान ओ साझा हितके आधारमे आघे बह्राइ परठ ।

साभारः गोरखापत्र दैनिकसे

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ३ स्थित कित्ता नं. १६४ क्षेत्रफल १६२.०० वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री रञ्जित खनालले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः अम्बिकादेवी स्वार — पश्चिमः सडक
उत्तरः सडक — दक्षिणः डिग्रा देवी विस्ट

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ३ स्थित कित्ता नं. १०७५ क्षेत्रफल १६९.३२ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री गोपाल सिंह कोट्टारीले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः सडक — पश्चिमः मम्मी चौधरी
उत्तरः विस्नु सिंह — दक्षिणः फेरन चौधरी

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ३ स्थित कित्ता नं. ११०२ क्षेत्रफल १६९.३२ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री रुपाकुमारी सिंहले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः सत्यप्रकाश ओझा — पश्चिमः सत्यप्रकाश ओझा
उत्तरः सडक — दक्षिणः सुनिताकुमारी बम र खेमराज भट्ट

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर १३ स्थित कित्ता नं. २७१ क्षेत्रफल २२०.०९ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री बल बहादुर बोहराले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः भुवन देव भट्ट — पश्चिमः महेश्वरी चन्द
उत्तरः राजेन्द्र विष्ट र दिपा धामी — दक्षिणः सडक

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

परम्परागत खेतीसे गन्ना खेतीमे दोब्बर आम्दानी

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, ४ अगहन । परम्परागत रूपमे धान, गहुँलगायतके खाद्यान्न बाली लगैटी आइल कञ्चनपुरके किसान गन्ना खेती ओर आकर्षित हुइल बटै ।

अन्य बालीके तुलनामे दोब्बर आम्दानी हुइना हुइलपाछे किसान गन्ना खेतीमे आकर्षित हुइल हुइट । कञ्चनपुरके भीमदत्त नगरपालिका–७ के धनसिंह ठगुन्ना गनना खेतीसे दोब्बर आम्दानी हुइना डेखल बटैलै । “परम्परागत खेतीसे गन्ना खेतीमे मजा प्रतिफल अइना हुइलपाछे तीन जाने मिलके जग्गा भाडामे लेले बटी । व्यावसायिक रूपमे आघे बहल बटी,” उहाँ कहलै, “गन्ना खेतीमे कम मेहनत ओ लगानीमे मजा प्रतिफल आइठ् ।”

उहाँ गन्ना खेतीसे उत्पादन लेहे सेक्लेसे बजारके समस्या नैहुइना ओ अक्केसँग मजा प्रतिफल लेहे सेकजैना हुइल ओरसे गन्ना खेतीमे लागल बटैलै । दुई बिघा जग्गासे खेती सुरु करल उहाँ अब्बे १२ बिघा जग्गा भाडामे लेके गन्ना खेती करटी रहल बटैलै । “पहिल सिजनमे सक्कु खर्च कटाके प्रतिबिघा एक लाख बराबरके आम्दानी हुइठ्,” ठगुन्ना कहलै, “गन्ना खेती एकचो लगासेकलपाछे लगातार तीन सिजनसम उत्पादन लेहे



सेकजाइठ् ।”

ओहकान अनुसार पहिल बरस गन्ना लगाइलपाछे ओकर जरासे अँख्वाइना कल्गीसे डोसर ओ टेसर सिजनमे फेन उत्पादन लेहे सेकजैना हुइल ओरसे हरेक बरस नयाँ लगाइ पर्ना भन्भट नैहुइठ् । उहीसे खेतीके लागत घटैनाके साथे आम्दानी बह्रैना सहयोग पुगल उहाँके कहाइ रहल बा । उत्पादन करल गन्ना बेलौरीस्थित महाकाली सुगर मिलमे बिक्री हुइना करल बा ।

मिलसे गन्ना किसानहे प्रोत्साहन कैटी बिया ओ कीटनाशक औषधी उपलब्ध करैना करल उहाँ बटैलै । “धान गहुँसे एक बिघामे सक्कु खर्च कटौती कैके ढेरमे रु ४० हजारसम आम्दानी हुइठ्,” ठगुन्ना कहलै, “गन्ना खेतीमे एक बिघामे मजा उत्पादन हुइलेसे सक्कु खर्च कटौती कैके रु तीन लाखसम आम्दानी करे सेकजाइठ् ।” उहाँ प्रति कट्ठा वार्षिक रु दुई हजारके दरसे १२ बिघा जग्गा भाडामे लेके खेती करटी रहल बटैलै ।

स्थानीय किसान तारा महरा तीन बरससे व्यावसायिक गन्ना खेतीमे लागल बटी । “परम्परागत खाद्यान्नसे गन्ना खेतीमे दोब्बर फाइदा हुइना हुइल ओरसे यम्ने लागल हुइटी,” उहाँ कहली, “दुई बिघा जग्गामे बिक्रीके लाग तयार बा दश बिघा जग्गामे अब्बे लगैटी बटी ।”

उहाँ सिजनमे २० से २५ जानेसम रोजगारी पैना करल बटैली । कृषि ज्ञान केन्द्र कञ्चनपुरके तथ्याङ्कअनुसार जिल्लामे पाँच हजार ६६० हेक्टर क्षेत्रफलमे गन्ना खेती हुइटी आइल बा । उक्त क्षेत्रफलसे वार्षिक तीन लाख ४५ हजार २६० मेट्रिक टन गन्ना उत्पादन हुइना करल बा । जिल्लामे गन्नाके उत्पादकत्व प्रतिहेक्टर ६१ मेट्रिक टन बराबर रहल बा ।

सोनके मोल एक्के दिन १२ हजार २०० रुप्यासे घटल

पहुरा समाचारदाता

काठमाडौं, ४ अगहन । नेपाली बजारमे शुकके सोन ओ चाँदीके मूल्यमे भारी गिरावट आइल बा । यी दिन सोन तोलामे १२ हजार २०० रुप्या ओ चाँदी २२५ रुप्यासे घटल हो ।



नेपाल सुनचाँदी व्यवसायी महासंघके अनुसार शुकके छापावाल सोन प्रतितोला २ लाख ४५ हजार ४०० रुपैयाँ कायम हुइल बा । अघिका दिन बिफेक रोज एक तोला सोन २ लाख ५७ हजार ६०० रुपैयाँमे कारोबार हुइल रहे ।

महासंघके अनुसार शुकके चाँदी प्रतितोला ३ हजार ११० रुपैयाँमे झरल बा । बिफेक उहे परिमाणके चाँदी ३ हजार ३३५ रुपैयाँमे खरिदबिक्री हुइल रहे । अन्तर्राष्ट्रिय बजारमे सुन तथा चाँदीके मूल्यमे भारी गिरावट आइलसंगे नेपाली बजारमेफे डेवारी पाछे मूल्य निरन्तर टरे लग्टी रहल बा ।

तथ्यांकअनुसार शुकके अन्तर्राष्ट्रिय बजारमे सोन प्रतिऔंस १५६.९५ अमेरिकी डलर (४.२६ प्रतिशत) से घटके ३,५२७.३९ अमेरिकी डलरमे कारोबार हुइटी रहल बा । ओस्टे, चाँदीफे प्रतिऔंस ३.१४ अमेरिकी डलर (७.०५ प्रतिशत) से घटके ४१.३२ अमेरिकी डलरमे झरल बा ।

स्थानीय चुनाव वैशाखमे, प्रदेशके अगहनमे कैना आयोगके प्रस्ताव

काठमाडौं, ४ अगहन । निर्वाचन आयोगसे स्थानीय तहके निर्वाचन वैशाखमे ओ प्रदेशके निर्वाचन अइना अगहनमे कैना प्रस्ताव करले बा । शुकके राष्ट्रिय मान्यताप्राप्त राजनीतिक दलके शीर्ष नेताहुक्के छलफलमे आयोगसे यैसिन तालिका प्रस्ताव करल हो ।

निर्वाचन आयोगमे जारी छलफलमे राष्ट्रिय स्वतन्त्र पार्टी (रास्वपा)के सभापति रवि लामिछाने, नेपाली कांग्रेसके सभापति गगन थापा, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (नेकपा)के संयोजक पुष्पकमल दाहाल प्रचण्डलगायतके नेताहुक्के सहभागी रहिट ।

नेकपा एमालेके अध्यक्ष केपी शर्मा ओलीफे पुगल रहिट । मने उहाँ पार्टीके निर्वाचन विभाग प्रमुख देवेन्द्र दाहालहे छलफलमे बैठना कहिके अपने बाहिरल रहिट । छलफलमे नेकपाके संयोजक प्रचण्ड स्थानीयके वैशाखमे ओ प्रदेशके अगहनमे चुनाव कैना निर्वाचन आयोगके प्रस्ताव उपयुक्त डेखल बटैलै ।

प्रचण्डके सचिवालयके अनुसार प्रचण्डसे स्थानीय तहके निर्वाचन वैशाखभिटरे ओ प्रदेशसभाके निर्वाचन अगहमे कैना करके निर्वाचन आयोगसे प्रस्तुत करल समयतालिका उपयुक्त डेखल उल्लेख करटी यी विषयमे पार्टीभिटर थप छलफल ओ अध्ययन करके अन्तिम धारणा बनैना बटैले बटै ।

यी आघे २०७९ वैशाख ३० गते स्थानीय तहके निर्वाचन हुइल रहे । प्रदेशके निर्वाचन २०७९ अहहन ४ गते हुइल रहे । उ निर्वाचनसे निर्वाचित जनप्रतिनिधिके कार्यकाल अइना २०८४ साल वैशाख ३० मे ओराइट ।

गाउँसभा ओ नगरसभाके कार्यकाल निर्वाचन हुइल मितिसे पाँच वर्षके रहठ । अघिल्का निर्वाचनसे निर्वाचित स्थानीय जनप्रतिनिधिके कार्यकाल सेक्ना अब करिब पाँच महिना बाँकी बा। यी पृष्ठभूमिमे निर्वाचन आयोगसे राष्ट्रिय मान्यताप्राप्त राजनीतिक दलके शीर्ष नेताहुक्के छलफल करल हो ।

महिला आघे...

परियोजनाके समीक्षा संगे ओकर गतिविधिहे समेटके बनाइल भिडियो डकुमेन्ट्रीमे महिलाहुक्के टमान मेरिक अधिकार पाइल, बोले ओ नेतृत्व सेक्ना अवस्थामे, लैङ्गिक उत्तरदायी बजेटके खोजीमे अग्रसर हुइल डेखा परल रहिट ।

कार्यक्रमबारे जानकारी डेटी ओरेकके सचिव संगिता अधिककारी यी संस्था महिलाउप्पर हुइना हिंसा न्यूनिकारण करेक लाग विगत २४ बरससे अभियान संचालन करल जनैली । कार्यक्रमके संचालन ओ सहजीकरण ओरेक कैलालीके जिल्ला संयोजक गिता चौधरी करल रही । कार्यक्रम कृष्णा चौधरीके अध्यक्षतामे हुइल रहे ।

एचआईभी एड्सबाट बचौ र बचाऔं

- एचआईभी एड्स असुरक्षित यौन सम्पर्क, संक्रमित सुई लगायतका कारणले सर्न सक्छ, त्यसैले:
  - असुरक्षित यौन सम्पर्कबाट जोगिऔं,
  - लागु औषधको दुर्व्यसन वा कुलतबाट टाढा रहौं,
- नियमित स्वास्थ्य परीक्षण गरौं ।



नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श



डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन



२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी–५) सम्पर्क नं. ०९१–५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अव सर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services



सेवाहरू:

- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९